डिजिटल अपराधों के बढ़ते खतरे के खिलाफ डब्लूएचटी नाउ ने भारत में नेशनल यूथ एंबेसडर प्रोग्राम किया लॉन्च

जयपुर (कासं)। भारत में साइबर अपराधों में तेजी से हो रही वृद्धि के मद्देनजर, डब्लूएचटी नाउ नामक एक डिजिटल सेफ्टी मूवमेंट ने देशभर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के साथ मिलकर अपना नेशनल यूथ एंबेसडर प्रोग्राम लॉन्च कर दिया है। इस पहल का उद्देश्य है कि 2025 के अंत तक 5,000 से अधिक छात्रों को डिजिटल फर्स्ट रिस्पॉन्डर के रूप में प्रशिक्षित किया जाए – एक ऐसा कदम जो बढ़ते सेक्सटॉर्शन, साइबर बुलीइंग, पहचान की चोरी और ऑनलाइन उत्पीड़न की घटनाओं के बीच बेहद जरूरी हो गया है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, 2025 में साइबर अपराधों में 24.4प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें 65,000 से अधिक एफआईआर दर्ज की गईं। विशेषज्ञ मानते हैं कि असली आंकड़ा कहीं ज्यादा है, क्योंकि अधिकांश पीड़ित – खासकर महिलाएं और नाबालिग – डर, सामाजिक कलंक या जानकारी के अभाव में शिकायत दर्ज नहीं कराते।

यह सिर्फ एक पहल नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आंदोलन है,

डब्लूएचटी नाउ की संस्थापक नीति गोयल ने कहा। हम ऑनलाइन दुरुपयोग के खिलाफ एक चुप्पी की महामारी देख रहे हैं। हमारा लक्ष्य युवाओं को ज्ञान, हिम्मत और समुदाय की ताकत से लैस करना है, ताकि वे डिजिटल दुनिया की दिशा बदल सकें।

हर यूथ एंबेसडर को साइबर कानून, रिपोर्टिंग मैकेनिज्म, साइकोलॉजिकल फर्स्ट-एड और डिजिटल नैतिकता का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम में वर्कशॉप, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों और कानूनी पेशेवरों से मेंटरशिप, और कॉलेज परिसरों में डिजिटल सेफ्टी सेल्स की स्थापना शामिल है।

साइबर अपराध सिर्फ तकनीकी नहीं, बल्कि भावनात्मक, कानूनी और सामाजिक संकट है, संस्थान ने कहा। असल बदलाव तभी संभव है जब हम नेतृत्व को जमीनी स्तर पर विकसित करें। यही कारण है कि हम सीधे कॉलेज परिसरों तक पहुंच रहे हैं।

कार्यक्रम के कानूनी पक्ष को मजबूत करते हुए, सह-संस्थापक और कानूनी रणनीतिकार अक्षत खेतान ने कहा, हमने देखा है कि जब साइबर अपराध होता है तो अधिकांश पीड़ित घबरा जाते हैं और उन्हें समझ नहीं आता कि क्या करें। अब प्रशिक्षित एंबेसडर के माध्यम से उन्हें समर्थन और मार्गदर्शन तुरंत मिल सकेगा।

इस मुहिम का नेतृत्व करने के लिए आनेका गोयल को के रूप में नामित किया गया है। वे भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस आंदोलन का नेतृत्व करेंगी। मैं दूसरों की ओर से नहीं, बल्कि उनके साथ बोलने आई हूं, आनेका ने कहा। डिजिटल दुनिया में अपार संभावनाएं हैं लेकिन खतरों की भी कोई कमी नहीं। मेरा लक्ष्य है कि हम सहानुभूति, ज्ञान और एकजुटता के साथ इन खतरों का मुकाबला करें।

5,000 से अधिक युवाओं का प्रशिक्षण देशभर के लाखों छात्रों को लाभान्वित करेगा, जिसमें जागरूकता, डिजिटल आत्मरक्षा और समुदाय आधारित समर्थन को बढ़ावा मिलेगा।